AS - 2048

M. A. (Third Semester) Examination, 2013
HISTORY, Paper - MH3.3
(Aspects of Economic Life in Medieval India)

खण्ड 'अ'
Section - 'A'

1. वर्मा, पागान।
2. दुधारू पशुओं पर।
3. मुहम्मद बिन तुगलक।
4. जल करघा।
5. फसल की हिस्सेदारी, माप का तरीका, कानकूत।
6. प्रारंभिक जमींदार।
7. जमीन की एक खास इकाई।
8. पिछले 10 वर्षों के उत्पादन का आंकलन के आधार पर उत्पादन का 1/3 भाग।
9. जहाँगीर।
10. रैयती।

(Dr. Mahesh Shukla)

खण्ड 'ब'
Section 'B'

11. मुहम्मद गोरी के भारत आक्रमण के समय भारत ~~भारत~~ की सामाजिक व्यवस्था के अन्तर्गत उस समय का सामाजिक संगठन का विवरण लिखना है जिसमें हिन्दुओं में वर्ण व्यवस्था थी, हिन्दू समाज चार वर्णों में विभक्त था उच्च वर्णों की स्थिति अधिक अच्छी थी जबकि निम्न वर्ण की स्थिति दयनीय थी, समाज की दशा सोचनीय थी। समाज में रूढ़ीवादिता तथा अंध विश्वास व्याप्त था, उच्च वर्णों में ही सामाजिक सम्पन्नता थी जबकि निम्न वर्ण को हीन दृष्टिकोण से देखा जाता था। उच्च वर्णों की तुलना में ~~खान~~ इनके खान-पान व रहन-सहन भी निम्न था तथा उच्च वर्ण का सभी चीजों पर एकाधिकार था इन्हीं स्थिति व परिस्थितियों की विवेचना इस प्रश्न के उत्तर के अन्तर्गत लिखना है।

12. अलाउद्दीन खिलजी ~~के~~ सल्तनतकालीन इतिहास सेसे सुल्तान हुए जिन्होंने आर्थिक व्यवस्था की सुदृढ़ता के लिए विभिन्न तरीकों को अपनाया। कृषि क्षेत्र में उत्पादन के विभिन्न तरीकों को अपनाया। इन्होंने दीवान-ए-कोही की स्थापना की, कृषि उत्पादन हेतु सिंचाई का विस्तार किया कृषि के विस्तार के लिए भूमि सुधार किया गया, बाजारों की व्यवस्था तथा कृषि उत्पादन के विभिन्न तरीके, भूमि की पैमाइश ~~व~~ उर्वरता के आधार पर किया। इन्हीं विषयों पर प्रकाश डालना है।

13. इक्तातंत्र क्या है, इक्ता के नियम, इक्तादारों की स्थिति, इक्ता के प्रकार इक्ता के विभिन्न श्रेणियाँ शासकों द्वारा इक्तादारों के प्रति नीति तथा इक्तादारों का शासकों के प्रति क्या नीति थी आदि विभिन्न बिन्दुओं पर विवरण प्रस्तुत करना है। तथा अंत में ~~विभिन्न~~ दिल्ली सल्तनत के शासकों द्वारा अपने इक्तादारों को ~~क~~ दी जाने वाली सुविधाओं का उल्लेख किया जाना है।

P.T.O

14. मनसबदारी व्यवस्था का अर्थ, मनसबदारी व्यवस्था लागू करने के कारण जिसके अन्तर्गत केन्द्रीकृत सेना का समुचित विकास के लिए, राज्य में राजस्व की दर में एकरूपता लाने के लिए, सेना को संगठित करने के लिए, राज्य अधिकारियों की भर्ती व नियुक्ति में निर्धारित नियम के लिए, भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए इन सभी कारणों के साथ-साथ मनसबदारों की विभिन्न श्रेणियों का विवरण, मनसबदारों की पदोन्नति तथा अंत मूल्यांकन करना है।

15. जमींदारी व्यवस्था में जमींदार वर्ग ने सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इनमें आरंभिक जमींदारों की स्थिति खुदकाश्तकार की थी ये किसानों व ग्रामीण वर्ग तक सीमित थे, लेकिन मुगल काल में ये खुदकाश्तकार तक सीमित नहीं अपितु इसके अन्तर्गत मध्यस्थ व स्वायत्त शासक आते हैं। इसमें आरंभिक जमींदारी व्यवस्था व मध्यस्थ जमींदारी व्यवस्था में जो अधिकार इन्हें दिया गया था उन सभी विषयों को इसमें स्पष्ट करना है। जमींदारों की आय का स्वरूप राजस्व की प्राप्ति व मालिकाना हक का विवरण देना है।

16. मुगल कालीन भू राजस्व व्यवस्था के निर्धारण के अन्तर्गत, भूमि का निर्धारण भूमि का वर्गीकरण तथा इनकी विभिन्न श्रेणियाँ जिनमें पोलज, परती, चाचर व बंजर इसके अन्तर्गत अलग अलग राजस्व निर्धारण, अकबर द्वारा राजा टोडरमल की नियुक्ति तथा अन्य कर्मचारियों व अधिकारियों की नियुक्ति कृषि को प्रोत्साहन, सिंचाई की व्यवस्था तथा विभिन्न पद्धतियाँ जिसमें दहसाला, गल्लाबख्शी, बंटाई, जब्ती प्रणाली आदि तथा अन्य मुगल शासकों द्वारा इस नीति का अनुसरण आदि का विवरण।

17. मुगल काल में वस्त्र उद्योग के विकसित होने के कारणों में कच्चे माल की उपलब्धता, वस्त्रों के प्रकार जिनमें सूती, ऊनी, रेशमी मलमल, लेनिन आदि, इसके अतिरिक्त वस्त्र उद्योग को प्रोत्साहन, कपास उत्पादन के लिए तथा भेड़ पालन को प्रोत्साहन, उद्योग का निर्माण जिनमें प्रमुख औद्योगिक केन्द्र का विवरण, बाजार की व्यवस्था आदि सम्मिलित है।